राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • मंगलवार • 20 अगस्त • 2024

टमाटर में कार्बोहाइड्रेट, विटामिन कैल्शियम व खनिज की प्रचुर मात्रा

पुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय से संवद्ध निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल सिंह ने टमाटर की खेती के वारे में ज़री जारी की है। उन्होंने वताया कि एक लोकप्रिय सव्जी है। टमाटर में ाइड्रेट , विटामिन, कैल्शियम, आयरन निज लवण प्रचुर मात्रा जाते हैं। इसके फल में ोपीन नामक वर्णक ट) पाया जाता है, जिसे का सवसे महत्वपूर्ण क्सीडेंट वताया जाता न सवके अतिरिक्त कैरोटिनाइड्स एवं न सी भी टमाटर में प्रचुर मात्रा में पाये जाते

> टमाटर में पाया जाता है विश्व का सबसे महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट लाइकोपीन

ॉ. सिंह ने वताया कि टमाटर की रोपाई का उचित समय अगस्त का महीना होता है, सर्दियों की शुरूआत में टमाटर निकलना ा जाते हैं। टमाटर की रोपाई पौधे से पौधे क्ति से पंक्ति की दूरी 60 गुणा 60 टर रखने को कहा और पौध रोपाई के वाद कर देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि मेड़ वनाकर टमाटर की रोपाई किसान करते हैं तो सिंचाई जल एवं स्थान का उचित उपयोग हो जाता है। टमाटर की फसल में खरपतवार नियंत्रण के वारे में वताया कि कुदाल या खुरपी से निराई करना हितकर होता है। जिससे पौधों की जड़ों में वातायन होता है और फसल अच्छी होती है। डॉ. सिंह ने वताया कि अंतः फसल के रूप में धनिया, कद्दू वर्गीय, गोभी वर्गीय फसलें ली जा सकती हैं। जिनसे अतिरिक्त आय होती है। उन्होंने कहा कि रोग और कीड़ों से मुख्य फसल को वचाने के लिये पर्यावरणीय अभियंत्रण के अंतर्गत खेत के चारों तरफ एवं प्रत्येक 10 लाइन गेंदा की रोपाई करें, जिससे कि मादा कीट मुख्य फसल को छोड़कर गेंदा के पौधों पर अपना अंडा रखेगी। फलस्वरूप टमाटर की फसल में होने वाली क्षति कम होगी। डॉ. सिंह ने वताया कि टमाटर की औसत उपज 300 से 350 कुंतल प्रति हेक्टेयर होती है, लेकिन अच्छी उत्पादन तकनीक व उन्नत प्रजातियां अपनाने से 800 से 1000 कुंतल प्रति हेक्टेयर उपज किसान भाइयों को प्राप्त हो सकती है।

वर्षः 6 अंकः 248 जौनपुर, 19 अगस्त 2024, सोमवार पृष्ठः 8

RNI NO : UTTHIN/2018/76731

www.thegramtoday.com

दि ग्राम टुडे

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

सीएसए में होगा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में भारतीय मृदा संरक्षण सोसाइटी यू पी चैप्टर तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) 32वा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। यह राष्ट्रीय सम्मेलन आजीविका सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि हेतु

मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन पर आधारित होगा। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन की थीम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मृदा संसाधन, संरक्षण और प्रबंधन सहित 8 थीम्स पर आधारित होगा। इस सम्मेलन में देश के ख्याति प्राप्त मृदा एवं जल संरक्षण के विशेषज्ञ अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

हिंदुस्तान 19/08/2024

सीएसए में वैज्ञानिक करेंगे मंथन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में देशभर के वैज्ञानिक टिकाऊ खेती और किसानों की आय में वृद्धि को लेकर मंथन करेंगे। मंथन की निष्कर्ष रिपोर्ट कृषि मंत्रालय को भी दी जाएगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने तीन दिवसीय 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन 18 से 20 अक्तूबर के बीच आयोजित होगा। देश के ख्याति प्राप्त मृदा एवं जल संरक्षण के विशेषज्ञ अपने शोध भी प्रस्तुत करेंगे।

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्ष: 15 | अंक: 304 | मूल्य: ₹3.00/- | पेज : 12 | सोमवार | 19 अगस्त, 2024

@janexpressnews janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

के मंडलीय ा समापन

नपदों के शिक्षा विभागीय ों में कार्यरत राजकीय सभी कर्मचारी व संगठन धिकारी आदि उपस्थित रहे। में विगत तीन साल में त्ति 21 सदस्यों को माला व हनाकर सम्मानित किया र्वाचन अधिकारी द्वारा 05 यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मंत्री, क्ष, ऑडिटर के पदों पर संपन्न कराया गया। अध्यक्ष पद के लिए तिवारी 34 मतों से, वरिष्ठ पद पर ब्रजकिशोर यादव से व मण्डलीय मंत्री पद के म प्रकाश शर्मा 24 मतों से घोषित हुए। वही कोषाध्यक्ष जसविंदर सिंह, संजय ऑडिटर निर्विरोध घोषित ा।

18 से 20 अक्टूबर तक होगा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह के मार्ग दर्शन एवं कुशल नेतृत्व में भारतीय मृदा संरक्षण सोसाइटी यू.पी.चैप्टर तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में 18 से 20 अक्टूबर 2024 तक तीन दिवसीय 32वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। यह राष्ट्रीय सम्मेलन आजीविका सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि हेतु मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन पर आधारित होगा। कार्यक्रम आयोजक डॉ.मुनीश कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन की थीम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मृदा संसाधन, संरक्षण और प्रबंधन सहित 8 थीम्स पर आधारित होगा। इस सम्मेलन में देश के ख्याति प्राप्त मृदा एवं जल संरक्षण के विशेषज्ञ अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

एक नजर में

सीएसए में अगले महीने होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और भारतीय मृदा संरक्षण सोसाइटी यू पी चैप्टर, मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग सीएसए की ओर से तीन दिवसीय 32वां राष्ट्रीय सम्मेलन 18 अक्टूबर से शुरू होगा। आजीविका सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि हेतु मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन पर आधारित सम्मेलन में आठ थीम पर चर्चा सत्रों का आयोजन होगा। कार्यक्रम आयोजक डा. मुनीश कुमार ने बताया कि देश के मृदा एवं जल संरक्षण विशेषज्ञ अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। वि.

प्रशास

गिरोह के सा

विश्वविद्यालय मे

को पास कराने व

जागरण संवाददाता, कानपु
शाहू जी महाराज विश्व
फेल परीक्षार्थियों को
वाले गिरोह के तीन और
पुलिस ने जेल भेज दि
शनिवार को पूछताछ के
गया था। अभी तक गि
सदस्य पकड़े जा चुके
12 और संदिग्धों के नाम

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 51 कानपुर, सोमवार 19 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

तीन दिवसीय 32वां राष्ट्रीय सम्मेलन 18 अक्टूबर को

कानपुर । सीएसए के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह के मार्ग दर्शन एवं कुशल नेतृत्व में भारतीय मृदा संरक्षण सोसाइटी यू पी चैप्टर तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन

विभाग सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर) 32वां राष्टीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। यह राष्टीय सम्मेलन आजीविका सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि हेतु मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन पर आधारित होगा। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि इस राष्टीय सम्मेलन की थीम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मृदा संसाधन, संरक्षण और प्रबंधन सहित 8 थीम्स पर आधारित होगा। इस सम्मेलन में देश के ख्याति प्राप्त मृदा एवं जल संरक्षण के विशेषज्ञ अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान
4.755 g
.150 kg
41.45
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
अपनेपन का प्रतीक है रक्षाबंधन का पर्व
इब्राहिम अली के साथ रिश्ते में है
अंक :198 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , सोमवार ,19 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08

तीन दिवसीय 32वां राष्ट्रीय सम्मेलन 18 अक्टूबर को

कानपुर , सीएसए के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह के मार्ग दर्शन एवं कुशल नेतृत्व में भारतीय मृदा संरक्षण सोसाइटी यू पी चैप्टर तथा मृदा संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर) 32वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। यह राष्ट्रीय सम्मेलन आजीविका सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि हेतु मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन पर आधारित होगा। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन की थीम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मृदा संसाधन, संरक्षण और प्रबंधन सहित 8 थीम्स पर आधारित होगा। इस सम्मेलन में देश के ख्याति प्राप्त मृदा एवं जल संरक्षण के विशेषज्ञ अपने शोधों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।